-RTI Section
Please issue By
Speed Post
15/09/011

By Speed Post

No.24013/4/2011-ATC
Government of India
Ministry of Home Affairs
Anti-Trafficking Cell
****

New Delhi, the 14th September, 2011

To

Shri Vidyadhar Pandey.
3/866, Vishwamaitri Sadan,
Bhartipuram, Pratishthanpur,
Prayagraj-211019
Uttar Pradesh.

Subject: Information sought by Shri Vidyadhar Pandey under RTI Act, 2005.

Sir,

I am directed to refer to your application under the RTI Act, 2005 dated 22nd July, 2011 which was transferred by the Prime Minister's office to this Ministry (received by this CPIO on 13th September, 2011) on the subject mentioned above and to say that information sought in para 25 and 26 of the application is not being maintained centrally. Moreover, 'Police' and 'Public Order' are State subjects as per the Seventh Schedule to the Constitution of India and primarily, it is the responsibility of the State Governments to prevent, detect, investigate and prosecute this crime. However, Ministry of Home Affairs has issued a detailed advisory to all States/UTs to prevent and combat human trafficking. This advisory is available on the website of Ministry of Home Affairs i.e. www.mha.nic.in.

Yours faithfully,

14/9/2011

O/C

(Dr. (Smt). Praveen Kumari Singh)
Director (SR)
Tel: 23092961

Copy to:

1. Director (A&V) & CPIO, Ministry of Home Affairs, New Delhi w.r.t. their letter No. A-43020/01/2011-RTI dated 29th August, 2011.

15 SEP 2011

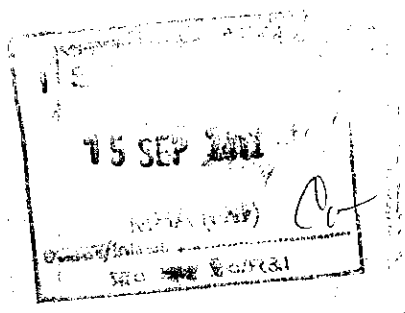

3244/11 3244–11–12Aug11

4

विद्याधर पाण्डेय

बी०ए०, एल०एल०बी०, एक्यू उपचारक, मुख्य योग शिक्षक, प्रतिवाद सलाहकार, श्रमिक शिक्षक
3/866, विश्वमैत्री सदन, भारतीपुरम्, प्रतिष्ठानपुर, प्रयागराज – 211019

11 AUG 2011
DAK SECTION

पत्रांक .. विधि एवं कल्याण/11 दिनांक 8/7/2011

1. विशिष्ट सम्पादक (प्र०प्र०)
नागरिक धारा
2. महामंत्री
सेवा निवृत्त नागरिक संगठन
3. महामंत्री
भ्रष्टचार निवारण ज0क0समिति
4. महामंत्री
प्रयाग ज0हि0सा0 सम्मेलन
5. संस्कृति एवं प्रकाशन मंत्री
त्रिवेणी युनिवर्सिटी आफ थर्ड एज
6. केन्द्रीय प्र0 स0 सदस्य
केन्द्रीय सचिवालय हि0प0
7. मुख्य योग शिक्षक
पतञ्जलि योग समिति
8. महामंत्री
जागरूक मतदाता मंच
9. शाखा संयोजक
आजादी बचाओ आन्दोलन

URGENT
RTI ACT
No. 3734
Date 11.08.11

16/8/11

MHA

IPO No. 92E 318992
of ₹ 10/-

सुप्रतिष्ठायाम्
श्री मुख्य जन सूचना अधिकारी हेतु।
प्रधानमंत्री कार्यालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

महोदय,

विषय:– सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 व आतंकवाद निवारण तथा विधि एवं कल्याण की व्यवस्था में जानकारी का देना

कृपया सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अतंर्गत निम्नलिखित सूचना मुझे दी जाए। एतदर्थ शुल्क स्वरूप रूपये 10/– मूल्य का भारतीय पोस्टल आर्डर संख्या 92E 318992 एतत्सह सादर संलग्न है। पोस्टल आर्डर में आदाता के स्तम्भ में प्रथम पंक्ति रिक्त रखी गई है। कृपया यथावश्यकता रिक्तिपूर्ति अपने कार्यालय द्वारा करा ली जाए।

1. दैनिक जागरण, नई दिल्ली संस्करण दिनांक 22-7-11 में प्रकाशित है "क्या हमें 26/11 से भी बड़े हमले का इंतजार है?" इस समाचार में मुम्बई के ताज होटल के बाद आयोजित हो रहे हैं / क्या इसके आतंकवाद से अवगत हैं कारण बताया है।
2. दैनिक जागरण दिनांक 22-7-11 के उपरोल्लिखित समाचार में जिन सिफारिशों का कथन है, उसके बारे में वस्तुस्थिति क्या है?
3. ऊपर बिन्दु 1 की सिफारिशें लागू न रखने का क्या कारण आवश्यक मालिकों में है?
4. ऊपर बिन्दु 1 की सिफारिशें कब तक रखी जाएगी?

भवदीय

1757069

5

• क्या इस घटना के बाद समाचार पत्रों में पढ़ने को मिला है — हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह किसने अलर्ट किया है? do

6) हाई अलर्ट जारी होने के बाद यह कितनी अवधि तक प्रभावी रहता है? यह किन परिस्थितियों में जारी माना जाता है। do

7) क्या हाई अलर्ट रखना सम्भव होता है? - do

8) दैनिक जागरण, नई दिल्ली संस्करण, दिनांक 04-7-2011 में दो समाचार हैं — Dir (Pe...

(क) पुलिस अधिकारियों को अब मिलेगी ब्रांडेड शराब

(ख) नशे में धुत इंस्पेक्टर ने नौकर को गोली मारी।

इसी तरह आये दिन समाचार रहता है कि शराब के नशे में सिपाही ने/दरोगा ने अमुक दुष्कर्म किया/ क्या ~~[illegible]~~ शराब के प्रभाव में सिपाहियों के आपराधिक कर्म का संज्ञान शासन को रहता है?

9) यदि शासन को यह ज्ञात है कि शराब के वशीभूत होकर पुलिस आपराधिक कृत्य करते हैं तो इसे दूर करने हेतु शासन क्या कर रहा है? Dir(PMR) / Dir(Pers)

10) विधि एवं व्यवस्था स्थापन हेतु कितनी जनसंख्या पर कितनी पुलिस अपेक्षित है? Dir (PMR)

11) उपर बिन्दु 11 ~~की~~ के परिप्रेक्ष्य में भारत के किन राज्यों में पुलिस की कितनी कमी है? — do

12) उपर बिन्दु 11 की कमी कब तक रखी जायेगी? — do

13) पुलिस बाहरी आतंकियों / अपराधियों को ढूंढ लेती है किन्तु भारतीय नागरिक, अन्याय कर्म में लगे रहते हैं तमाम प्रकरणों में उन्हें लम्बी अवधि तक ढूंढ नहीं पाती / कारण क्या है? 2 (F)

14) उपर बिन्दु 13 की जानकारी हेतु शासन क्या कर रहा है? 2 (F)

[illegible signature]

(14) शराब के प्रभाव में रहकर पुलिस के आचरण [illegible] Mr. (Per[illegible]
देखते हुए भी पुलिस को [illegible] प्रभाव का अध्ययन शासन ने किया है या नहीं?

(15) इस अध्ययन का क्या निष्कर्ष है? 2(F)

2(F)

(16) प्रायः समाचार पत्रों में प्रकाशित होता है अमुक स्थान पर अमुक व्यक्ति [illegible] इसका प्रभाव पड़ता है कि पुलिस अपराधियों के संरक्षण का कार्य ठीक से नहीं कर रही है। इस स्थिति को दूर करने हेतु शासन क्या कर रहा है?

NCRB

(17) प्रायः समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलता है कि घरेलू नौकरों ने लूटपाट की, हत्या की। कृपया अवगत कराया जाए कि इस प्रकार के 10 वर्ष के प्रकरणों में कितने प्रतिशत प्रकरणों में इन नौकरों का पुलिस सत्यापन हुआ था?

2(F)

(18) आतंकी घटनाओं के बाद आतंकियों के [illegible] कार्य उत्तर प्रदेश में ~~[illegible]~~ कई नगरों में [illegible] से किया जाता है। आपको पूर्व पत्रों में [illegible] के अधिकारियों के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है कि उत्तर प्रदेश में किरायेदारों एवं नौकरों के सत्यापन हेतु कोई निर्दिष्ट आदेश एवं सत्यापन का कार्य नहीं है। [illegible] स्थिति?

5th Haryana
Delhi Police

(19) दिल्ली राज्य एवं हरियाणा राज्य के पुलिस सत्यापन कार्य - (नौकरों एवं किरायेदारों हेतु) के प्रावधानों में [illegible] पहले अवगत करा चुका हूँ। [illegible] रहेगा यह अन्तर?

(20) भारत में नौकरों एवं किरायेदारों के सत्यापन

(7)

~~नि~~ का नियम ~~लागू~~ कब तक लागू किया जायेगा कि भारत में किरायेदारों एवं नौकरों के सत्यापन हेतु निर्धारित फार्म में सरलता लाने हेतु क्या किया ~~जा रहा~~ ? जा रहा है। कब आयेगी सरलता ?

(22) किरायेदारों एवं नौकरों के सत्यापन फार्म में ~~यदि~~ किरायेदार/नौकर के हस्ताक्षर का कालम नहीं है तो उस फार्म में दी गई जानकारी का दायित्व निर्धारण किरायेदार एवं नौकर पर किस तरह किया जा सकता है ? क्यों रखी गई है यह कमी ? 2(F)

(23) प्रायः शिकायतें रहती हैं कि पार्कों में अनैतिक कार्य होते हैं। इस संबंध में क्या उपाय किया जाता है ? 2(F)

(24) यह देखा जाता है कि पार्कों में बने, पार्कों के मार्गों पर ही लोग बैठकर ताश खेलते हैं। यही नहीं सभी बाजारों में सड़कों के किनारे भी जहाँ सड़कों/फुटपाथों पर अतिक्रमण है, वहाँ पर भी वहाँ के कुछ निवासी खुले आम ~~मामा~~ ताश खेलते हैं। ताश जुआ का भी माध्यम बनता है। ताश का यह सार्वजनिक खेल असामाजिकों की भीड़ भी एकत्र ~~करता~~ करता है। इस प्रकार यह कार्य अपराधकर्मों को भी प्रेरक का काम करता है। इस संबंध में पुलिस विभाग क्या कर रहा है ? 2(F)

(25) देह व्यापार राजधानी के विभिन्न विशेष कुछ मोहल्लों में होता है। एक ही भवन में देह व्यापार बार बार चलाये जा रहे हैं। तो शासन क्या कर रहा है ? शासन क्यों बना है तमाशबीन ? Dir(SR)

(26) क्या शासन ने चिन्हित किया है कि किन नगरों में किन मोहल्लों में देह व्यापार हो रहा है ? ~~उसको~~ रोकने हेतु शासन क्या कर रहा है ? -do-

संलग्न
1) भारतीय ... दि० 12.6.31 ...

धन्यवाद

[signature]

(विमल वार्ष्णेय)